



चेतना

शनिवार
बिहार
12-सितंबर-2026
Saturday
वर्ष : 5

प्रादेशिक संस्करण

शिक्षकों का, शिक्षकों के लिए और शिक्षकों द्वारा प्रकाशित



संपादकीय
चेतना सत्र
सविधान
दैनिक कार्ययोजना
पीएम पोषण योजना
सुरक्षित शनिवार

भारत के वित्त, कॉर्पोरेट कार्य मंत्री

निर्मला सीतारमण

बिहार के ग्रामीण कार्य मंत्री

सुनील कुमार

SEPTEMBER		2026						
र.	सो.	म.	बु.	गु.	शु.	श.		
		1	2	3	4	5		
6	7	8	9	10	11	12		
13	14	15	16	17	18	19		
20	21	22	23	24	25	26		
27	28	29	30					

4 श्री कृष्ण जन्माष्टमी
14 हरि तालिका वर्त (तीज वर्त)
25 अनन्त चतुर्दशी





अनिल कुमार प्रभाकर
प्रधान संपादक



श्री कुंदन कुमार वर्मा
संपादक



फरहान
संपादक मंडल



श्रीमती रींकू कुमारी
संपादक मंडल



श्री राकेश कुमार
संपादक मंडल



श्री सुशील कुमार यादव
संपादक मंडल

बिहार में पीजी चिकित्सा छात्रों की बड़ी सौगात

पीजी छात्रों के मानदेय में बड़ी वृद्धि

बिहार सरकार का महत्वपूर्ण निर्णय

1 जनवरी 2026 से लागू होगी संशोधित दरें

पीजी वर्ग	नया मानदेय / माह	पहले
प्रथम वर्ष	₹92,800	₹82,000
द्वितीय वर्ष	₹1,02,000	₹90,200
तृतीय वर्ष	₹1,12,200	₹99,220

पीजी छात्रों को मिलेगा बेहतर आर्थिक वातावरण

देश का सर्वोच्च शिक्षण संस्थान पीजी चिकित्सा छात्रों को प्रेरणा देता है।

सुखम स्वास्थ्य-सुरक्षित जीवन

श्री निराला

हम में है दम

तबाह को ना कहें हम

:- आज की प्रेरणा :-

केवल एक चीज है जो किसी सपने का पूरा होना असंभव बनाती है - असफलता का डर।

आज से हम :

अपने डर पर काबू पाएँ और आत्मविश्वास को बढ़ाएँ...

There's only one thing that makes a dream impossible to achieve - THE FEAR OF FAILURE

Today Onwards Let's :

overcome our fears and boost self-confidence.

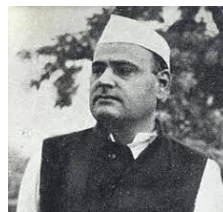
नोट : रविवार के दिन खुलने वाले विद्यालय शुक्रवार के दिन प्रकाशित होने वाले चेतना का उपयोग कर सकते हैं।

चेतना

"टीचर्स ऑफ बिहार"

द्वारा प्रकाशित "चेतना" दैनिक पत्रिका बिहार के शिक्षकों एवं छात्र/छात्राओं के शैक्षिक बेहतरी के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन है। इसमें सम्मिलित सामग्री शिक्षकों को विद्यालय के दैनिक कार्य में मदद करती है। आइए, हम सब मिलकर इस अनूठे प्रयास का हिस्सा बनकर

हमारे महान विभूति



स्वतंत्रता सेनानी,
राजनेता, पत्रकार
एवं लोकसभा
सांसद

जीवन परिचय

नाम : फ़ीरोज़ जहाँगीर गाँधी

जन्म : 12 सितंबर 1912

जन्म स्थान : बाँखे (वर्तमान मुंबई), महाराष्ट्र

पिता : जहाँगीर फ़रेदून गाँधी

माता : स्तीमाई गाँधी

पति/पत्नी : इंदिरा गाँधी

शिक्षा :

अवार्ड : -

नागरिकता : भारतीय

मृत्यु : 8 सितंबर 1960, नई दिल्ली

रुकिए	रास्ता दीजिए	प्रवेश वर्जित है।	हॉर्न बजाना मना है।
वापस मुड़ना (यू-टर्न) मना है।	बाएँ मुड़ना मना है।	दाएँ मुड़ना मना है।	गति सीमा
आगे चलना अनिवार्य है।	बाएँ मुड़ना अनिवार्य है।	आगे चलकर दाएँ मुड़ना अनिवार्य है।	आगे चलकर बाएँ मुड़ना अनिवार्य है।

1. प्रार्थना



प्रार्थना

तू ही राम है, तू रहीम है, तू करीम कृष्ण खुदा हुआ,
तू ही राम है तू रहीम है, तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशु मसीह, हर नाम में तू समा रहा,
तू ही राम है, तू रहीम है।
तेरी जात पाक कुरान में, तेरा दर्श वेद पुराण में,
गुरु ग्रन्थ जी के बखान में, तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है, तू रहीम है, तू करीम कृष्ण खुदा हुआ,
तू ही राम है, तू रहीम है।
अरदास है कहीं कीर्तन, कहीं राम धुन कहीं आह्वान,
अरदास है कहीं कीर्तन, कहीं राम धुन कहीं आह्वान
विधि वेद का है ये सब रचन, तेरा भक्त तुझको बुला रहा,
तू ही राम है, तू रहीम है, तू करीम कृष्ण खुदा हुआ,
तू ही राम है, तू रहीम है।

अभियान गीत

घर-घर अलख जगाएंगे, हम बदलेंगे जमाना।।
निश्चय हमारा, ध्रुव सा अटल है।
काया की रग-रग में, निष्ठा का बल है।।
जागृति शंख बजायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।
बदली हैं हमने अपनी दिशाएँ।
मजिल नयी तय, करके दिखायें।।
धरती को स्वर्ग बनायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।
श्रम से बनायेंगे, माटी को सोना।
जीवन बनेगा, उपवन सलोना।।
मंगल सुमन खिलायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।
कोरी कल्पना की तोड़ेंगे कारा।
ममता की निर्मल, बहायेंगे धारा।।
समता की दीप जलायेंगे, हम बदलेंगे जमाना।।

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा ही दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रुक जाये मुसाफिर के कदम
शोक मजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

- एम. आर. चिश्ती

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करुणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू ही अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरुगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

2. आज का विचार

कुछ अलग करना हो तो भीड़ से हट कर चलिए, भीड़ साहस तो देती है पर पहचान छीन लेती है।

3. शब्द ज्ञान

	English	
1.	FAST फास्ट	तेज
2.	FASTING फास्टिंग	व्रत रखना
3.	WORSHIP वरशिप	पूजा

	हिन्दी	
अवधि	समय	
आहत	घायल	
करुणा	दया	

	संस्कृत	
परिणीता	व्याही गयी	
प्रारम्भः	आरम्भ किया	
रूढ़ी	रिवाज में	

	اردو (उर्दू)	
1.	وابستگی Wabastagi	लगाव
2.	وابسته Wabista	बन्धा हुआ
3.	وارستگی Warustagi	छुटकारा

4. दिवस ज्ञान

लॉर्ड कॉर्नवालिस भारत का गवर्नर जनरल बना

5. सामान्य ज्ञान-विज्ञान

1. एक सप्ताह में कितने दिन होते हैं? : सात
2. पानी का ठोस रूप क्या है? : बर्फ
3. हॉकी में एक टीम में कितने खिलाड़ी मैदान पर होते हैं? : 11

6. तर्क ज्ञान

1. फ्यूलि' क्या है ? : बसन्त में उगने वाला पीला फूल
2. 144, 360 और 504 का महत्तम समापवर्तक कितना है? : 72
3. यदि परसों शुक्रवार था, तो आने वाले परसों के बाद तीसरा दिन क्या होगा? : शुक्रवार

7. समास विग्रह

1. प्राणप्रिय : प्राणों के समान प्रिय
2. शुभागमन : शुभ है जो आगमन
3. सेवामुक्त : सेवा से मुक्त

8. प्रेरक प्रसंग

लक्ष्य

एक लड़के ने एक बार एक बहुत ही धनवान व्यक्ति को देखकर धनवान बनने का निश्चय किया। वह धन कमाने के लिए कई दिनों तक मेहनत कर धन कमाने के पीछे पड़ा रहा और बहुत सारा पैसा कमा लिया। इसी बीच उसकी मुलाकात एक विद्वान से हो गई। विद्वान के ऐश्वर्य को देखकर वह आश्चर्यचकित हो गया और अब उसने विद्वान बनने का निश्चय कर लिया और अगले ही दिन से धन कमाने को छोड़कर पढ़ने-लिखने में लग गया। वह अभी अक्षर ज्ञान ही सिख पाया था, कि इसी बीच उसकी मुलाकात एक संगीतज्ञ से हो गई। उसकी संगीत में अधिक आकर्षण दिखाई दिया, इसीलिए उसी दिन से उसने पढ़ाई बंद कर दी और संगीत सिखने में लग गया।

इसी तरह काफी उम्र बित गई, न वह धनी हो सका ना विद्वान और ना ही एक अच्छा संगीतज्ञ बन पाया। तब उसे बड़ा दुख हुआ। एक दिन उसकी मुलाकात एक बहुत बड़े महात्मा से हुई। उसने महात्मन को अपने दुःख का कारण बताया। महात्मा ने उसकी परेशानी सुनी और मुस्कराकर बोले, "बेटा, दुनिया बड़ी ही चिकनी है, जहाँ भी जाओगे कोई ना कोई आकर्षण जरूर दिखाई देगा। एक निश्चय कर लो और फिर जीते जाँ उसी पर अमल करते रहो तो तुम्हें सफलता की प्राप्ति अवश्य हो जाएगी, नहीं तो दुनिया के झमेलों में यूँ ही चक्कर खाते रहोगे। बार-बार रुचि बदलते रहने से कोई भी उन्नति नहीं कर पाओगे।" युवक महात्मा की बात को समझ गया और एक लक्ष्य निश्चित कर उसी का अभ्यास करने लगा।

शिक्षा:-

उपर्युक्त प्रसंग से हमें यह शिक्षा मिलती है कि, हम जिस भी कार्य को करें, पूरे तन और मन से से एकाग्रचित होकर करें, बार-बार इधर-उधर भटकने से बेहतर यही की एक जगह टिककर मेहनत की जाएं, तभी सफलता प्राप्त की जा सकती है।

राष्ट्र-गान



जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता ।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्राविड-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष मागे
गाहे तव जय-गाथा ।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे ।

- रविन्द्रनाथ टैगोर

मौलिक अधिकार

1. समता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18)
2. स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22)
3. शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24)
4. धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28)
5. संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29-30)
6. सैवधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)

सविधान में उपबधित मौलिक कर्तव्य

1. सविधान का पालन करना और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज एवं राष्ट्र गान का आदर करना।
2. स्वतंत्रता के लिये हमारे राष्ट्रीय संघर्ष को प्रेरित करने वाले महान आदर्शों का पालन करना।
3. भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखना और उसकी रक्षा करना।
4. देश की रक्षा करना और आह्वान किये जाने पर राष्ट्र की सेवा करना।
5. भारत के लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करना जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग आधारित सभी प्रकार के भेदभाव से परे हो। साथ ही ऐसी प्रथाओं का त्याग करना जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं।
6. हमारी समग्र संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्त्व देना और संरक्षित करना।
7. वनों, झीलों, नदियों और वन्यजीवन सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा एवं सुधार करना और प्राणिमात्र के लिए दयाभाव रखना।
8. मानवतावाद, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा ज्ञानार्जन एवं सुधार की भावना का विकास करना।
9. सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करना एवं हिंसा से दूर रहना।
10. व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधि के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिये प्रयास करना ताकि राष्ट्र लगातार उच्च स्तर की उपलब्धि हासिल करे।
11. 6 से 14 वर्ष तक के आयु के अपने बच्चों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना। (86वें सविधान द्वारा जोड़ा गया)

भारत के सविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतन्त्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय,

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की स्वतंत्रता,

प्रतिष्ठा और अवसर की समता,

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन सब में, व्यक्ति की गरिमा और

राष्ट्र की एकता और अखण्डता

सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए

दृढ़ संकल्पित होकर अपनी इस सविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर 1949 ईस्वी (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी)

को एतद् द्वारा इस सविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

राष्ट्रीय गीत



वदे मातरम्
सुजालां सुफलां मलयजशीतलाम्
शस्यशामलां मातरम्।
शुभ्रज्योत्सनापुलकितयामिनिं
फुल्लकुसुमितद्रुमदलशोभिनीं
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीं
सुखदां वरदान मातरम्॥ 1.. वदे मातरम्।
कोटि-कोटि-कण्ठ-कल-कल-निनाद-कराले
कोटि-कोटि-श्रुजैरधृत-क्रकरवाले,
अबला केन मा एते बल।
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं
रिपुदलवारिणीं मातरम्॥ 2.. वदे मातरम्।
तुम विद्या, तुम धर्म, तुम इति, तुम मर्म
त्वं हि प्राणाः शरीरे, बहुते तुम मां शक्ति,
हृदये तुम मां भक्ति, तौमरे प्रतिमा घड़ी
मदिरे-मदिर मातरम्॥ 3 .. वदे मातरम्।
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी, कमला कमलदलविहारिणी
वाणीदायिनी, नमामि त्वम्, नमामि कमलां अमलां अतुलां
सुजालां सुफलां मातरम्॥ 4.. वदे मातरम्।
श्यामलां सरलां सुस्मितां श्रूषितां
धरणिं भरणिं मातरम्॥ 5.. वन्दे मातरम् ॥

- बकिमचन्द्र चटर्जी

दैनिक कार्ययोजना (DAILY PLANNER)

चैतना

12-Sep-2026	Saturday	शनिवार
-------------	----------	--------

आज के टॉप 3 कार्य

RATE YOUR DAY

☐
☐
☐

कुल नामांकित छात्रों कि संख्य :

आज उपस्थित छात्रों कि संख्य :

MDM खाने वालों छात्रों कि संख्या :

TIME TRACKER

09:30 AM	
10:00 AM	
10:40 AM	
11:20 AM	
12:00 PM	
01:20 PM	
02:00 PM	
02:40 PM	
03:20 PM	
04:00 PM	

TO DO'S

☐
☐
☐
☐
☐
☐
☐
☐
☐
☐
☐

CALLS / EMAIL

MONEY TRACKER

+/-	AMOUNT	EXPENSE / SAVED

MENU OF THE DAY

☐

BREAKFAST

☐

LUNCH

☐

SNACKS

☐

DINNER

WATER



EXERCISE

hours

HIGHLIGHT OF THE DAY

पीएम पोषण योजना

चेतना

12-सितंबर-2026 Saturday शनिवार

वर्ष 05

पीएम पोषण योजना का मेनू :-

दिनांक	दिन	प्रस्तावित मेनू
12-Sep-2026	शनिवार	खिचड़ी (हरी सब्जी युक्त) + चोखा

पीएम पोषण योजना :-

बच्चों को अपने जीवन, भोजन, शिक्षा तथा विकास का अधिकार है। इस अधिकार की प्राप्ति बच्चे करें एवं उन्हें इसके उचित अवसर मिलें, यह राज्य का दायित्व है। भारतीय संविधान की धारा 21A के अंतर्गत 6 से 14 आयुवर्ग के सभी बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का मौलिक अधिकार प्रदत्त है। प्रारंभिक शिक्षा के सर्वव्यापीकरण में मदद करने के उद्देश्य से सभी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में पीएम पोषण योजना उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। इस योजना का लाभ निम्नवत है :-

- > बच्चों को पौष्टिक आहार एवं स्वास्थ्य की प्राप्ति।
- > बच्चों के शैक्षिक स्तर में वृद्धि।
- > बच्चों के बीच सामाजिक समता।
- > बच्चों की सीखने की क्षमता एवं आत्मसम्मान के स्तर को बढ़ाना।
- > बच्चों के छीजन में कमी।
- > नामांकन एवं उपस्थिति में निरंतर बढ़ोतरी।
- > बच्चों के ठहराव, अधिगम एवं एकाग्रता सुनिश्चित करने में मदद।

परिवर्तन मूल्य की नई दर की विवरणी (01-12-2024 से प्रभावित)

कक्षा 01 से 05 के लिए			
सामग्री	वजन प्रति छात्र	दर प्रति किलो	मूल्य प्रति छात्र
दाल	20 Gram	120.00	2.40
सब्जी	50 Gram	28.00	1.40
तेल	5 Gram	160.00	0.80
मसाला / नमक	स्वादुनुसार		0.68
जलावन	100 Gram	15.00	1.50
कुल =			6.78

कक्षा 06 से 08 के लिए			
सामग्री	वजन प्रति छात्र	दर प्रति किलो	मूल्य प्रति छात्र
दाल	30 Gram	120.00	3.60
सब्जी	75 Gram	28.00	2.10
तेल	7.5 Gram	160.00	1.20
मसाला / नमक	स्वादुनुसार		1.02
जलावन	150 Gram	15.00	2.25
कुल =			10.17



मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम

(सुरक्षित शनिवार)

दूसरा
सप्ताह

सितंबर माह का द्वितीय शनिवार

सड़क / रेल दुर्घटना से बचाव के संदर्भ में जानकारी

फोकल शिक्षक एवं बाल प्रेकों द्वारा चर्चा एवं गतिविधि के माध्यम से



सुरक्षित रहें • सतर्क रहें • जीवन को संवारे

दुर्घटना हमारे जीवन में कहीं भी और कभी भी घटित हो सकती है। सड़क, रेल और नाव दुर्घटना मानवजनित आपदा के अंतर्गत आती है, जिसका मलब है कि यह मानवीय गलती से होता है।

थोड़ी सी सावधानी
बड़ा सा सुरक्षा कवच



रेल दुर्घटना से बचाव

- भारतीय रेल सेवा में परिवहन का सबसे बड़ा माध्यम है और लगभग 2.5 करोड़ से ज्यादा लोग प्रतिदिन रेल की सवारी करते हैं।
- रेल पटरियों पर स्टैंडिंग या खेल्की लेना जानलेवा हो सकता है।
- ट्रेन के आने की आवाज, हेडलाइट और सिग्नल पर ध्यान दें।
- पटरियों को पार करते समय सिर्फ बने निर्धारित पुल/पुटओवर का ही उपयोग करें।
- रेल के पास धक्का, कंकड़ या अन्य वस्तु न फेंके।
- रेलगाड़ी आते समय लाइन से दूर रहें और अनवश्यक रूप से पटरी पर न जाएं।



रेल दुर्घटना के परिणाम गंभीर हो सकते हैं — सतर्क रहें!



सड़क दुर्घटना से बचाव

- वाहनों की तैयारी से बचें।
- ओवरटेक करना, सड़कों पर स्टैंट करना, मोबाइल पर बात करना — जानलेवा है।
- सीट बेल्ट और हेलमेट का हमेशा उपयोग करें।
- लाल बाजी पर रुकें, हरा बरती पर चलो।
- पैदल यात्री हमेशा जेब्रा क्रॉसिंग का उपयोग करें।
- वाहन पर सवार व्यक्ति भी लापरवाही न करें।



सड़क सुरक्षा —
जीवन रक्षा



नाव दुर्घटना से बचाव

- जलराज, नदी, तालाब या समुद्र में बिना लाइफ जैकेट के नाव में न बैठें।
- इंजन और नाव की क्षमता के अनुसार ही सवारी करें।
- तैरना न आने पर गहरे पानी में न जाएं।
- मौसम खराब होने पर जल यात्रा से बचें।
- नाव में सुरक्षा उपकरण रखें और नाविक के निर्देशों का पालन करें।



सुरक्षित जल यात्रा —
सुखद यात्रा



रेल दुर्घटना के दौरान ध्यान रखने योग्य बातें

- भारतीय रेल में हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग दुर्घटना का शिकार होते हैं।
- ट्रेन पटरियों में फंसे सामान को हटाने के लिए कभी खुद न जाएं।
- दुर्घटना होने पर तुरंत रेलवे हेल्पलाइन/आपातकालीन नंबर पर जानकारी दें।
- रेलवे प्रशासन व सुरक्षा बल के निर्देशों का पालन करें।

रेलवे हेल्पलाइन
139



घर की सुरक्षा

- गैस, बिजली और आग से सावधान रहें।
- रसोई में सावधानी बरतें, गैस लीकेज न होने दें।
- बिजली के खुले तारों से दूर रहें।
- रात में अंधेरे में न चले, मोमबत्ती/गांधिया का सावधानी से उपयोग करें।
- सीढ़ियों पर दौड़ें नहीं और फर्श सूखा रखें।



सुरक्षित घर —
सुखहाल परिवार



विद्यालय की सुरक्षा

- बच्चों को समय पर विद्यालय भेजें।
- विद्यालय परिसर में अनुशासन बनाए रखें।
- बिना वजह के खेल-खेल में जोखिम भरे कार्य न करें।
- किसी भी अनजान व्यक्ति से बात न करें।
- विद्यालय के नियमों का पालन करें।



सुरक्षित विद्यालय —
उज्ज्वल भविष्य



सुरक्षा हमारी जिम्मेदारी है

- सावधानी अपनाएं
- नियमों का पालन करें
- दुर्घटनाओं को रोकें
- स्वस्थ एवं सुरक्षित जीवन पाएं



विषय-परिचय	विद्यमान स्तर पर सुझाई गई गतिविधियाँ	सम्यक् स्तर पर सुझाई गई गतिविधियाँ
समस्या: पानी की कमी और बढ़ती से जल संकट उत्पन्न हो रहा है, जिससे लाखों लोग प्रभावित हो रहे हैं।	1. वर्षा जल संचयन गैलरी बनाना और स्थापित करना। 2. पानी बचाने के उपायों पर निबंध लेखन और चित्रकला प्रतियोगिता। 3. छात्रों को पानी बचाने की आदत सिखाना (जल बंद रखना, पानी का सही उपयोग)।	1. समुदाय में वर्षा जल संचयन संचयना स्थापित करने का अभियान। 2. तालाबों, कुओं और नदियों की सफाई और संरक्षण अभियान। 3. लोगों को दैनिक जीवन में पानी बचाने की जानकारी देना और जागरूकता फैलाना।
आवश्यकता: जल संरक्षण के माध्यम से पानी की बढ़ती को रोकना और भविष्य के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित करना।	4. जल परीक्षण (water testing) के बारे में जानकारी देना और छोटे प्रयोग करना। 5. "एक बूंद की कीमत" पर नाटक या नाट्य रचना करना।	4. तालाब एवं नदियों में कचरा न फेंकने के लिए प्रेरित करना।

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम (सुरक्षित शनिवार)

सड़क दुर्घटना से बचाव के उपाय



बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

“सतर्कता ही सुरक्षा है, सुरक्षा ही जीवन है”

(बिहार शिक्षा परियोजना परिषद्)

द्वारा

संचालित "समझे - सीखें", गुणवत्ता शिक्षा कार्यक्रम के बीस सूचक -

1. विद्यालय समय से खुलना एवं बंद होना ।
2. समय से चेतना सत्र का आयोजन ।
3. हर एक बच्चा एवं शिक्षक विद्यालय के समय विद्यालय में उपस्थित ।
4. हर एक बच्चा एवं हर एक शिक्षक सीखने-सिखाने की प्रक्रिया में तल्लीन ।
5. शिक्षकों को बच्चे के शैक्षिक स्तर की जानकारी एवं उसका संधारण ।
6. सतत एवं व्यापक मूल्यांकन ।
7. कक्षा एक के लिए विशिष्ट रूप से निर्धारित पूर्णकालिक शिक्षक ।
8. विद्यालय के सभी कक्षाओं में श्यामपट्ट का पूर्ण उपयोग ।
9. सभी कक्षाओं में दैनिक शिक्षण-तालिका की उपलब्धता तथा उपयोग ।
10. अंतिम घंटों में खेलकूद, कला तथा सांस्कृतिक गतिविधियां ।
11. विद्यालयों में उपलब्ध कराए गए कहानी की किताबें, खेल सामग्री आदि का उपयोग ।
12. मेनू के अनुसार मध्याह्न भोजन का दैनिक वितरण ।
13. सक्रिय बाल-संसद तथा मीना मंच ।
14. साफ-सुथरे बच्चे तथा साफ-सुथरा विद्यालय ।
15. उपलब्ध पेयजल व्यवस्था एवं शौचालयों का उपयोग ।
16. विद्यालय परिसर में बागवानी ।
17. विद्यालयों में उपलब्ध कराए गए अनुदानों का उपयोग ।
18. सभी बच्चों के पास अपनी कक्षा की पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध ।
19. विद्यालय प्रबंध समिति की नियमित बैठक में शिक्षा की गुणवत्ता पर चर्चा ।
20. विद्यालय में साप्ताहिक कक्षावार शिक्षक अभिभावक की नियमित बैठक ।



चेतना

टीचर्स ऑफ़ बिहार
समस्तीपुर
पिन - 848207 (बिहार)

Mobile : 9473119007
7250818080

email : chetanastr@gmail.com
Website : www.teachersofbihar.org

Follow Us



@teachersofbihar



@teachersofbihar



@teachersofbihar



@teachersofbihar



@teachersofbihar